

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'संस्कृते रसायनशास्त्रम्' पर सेमिनार का आयोजन

नई दिल्ली, 01 दिसम्बर 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 27 नवम्बर 2025 को विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक 'संस्कृते रसायनशास्त्रम्' था। इस सङ्गोष्ठी का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत में निहित अन्य विद्याओं से अवगत कराना, संस्कृत ग्रन्थों में समाहित रसायनशास्त्र, गणितशास्त्र, विधिशास्त्र, भौतिकशास्त्र, भूगोलशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र इत्यादि विषयों का अर्थवाद कर इन समस्त विषयों के प्रति छात्रों को प्रेरित करना, तथा शोधार्थियों एवं शिक्षकों को भी विषय के प्रति प्रेरित करना एवं इस क्षेत्र में अनुसन्धान को बढ़ावा देना था।

यह सङ्गोष्ठी जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मीर-तक़ी-मीर-भवन के मीर-अनीस-सभागार में आयोजित की गई। सङ्गोष्ठी का प्रारम्भ मङ्गलाचरण एवं कक्ष में उपस्थित अतिथियों तथा विभागीय आचार्यों द्वारा विद्या की देवी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य संरक्षक के रूप में उपस्थित जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़, संरक्षक रूप में उपस्थित प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. इक्तिदार मो. खान तथा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित भौतिकविज्ञान संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नव देहली से प्रो. रामसागर मिश्र का भेंट स्वरूप स्मृति चिह्न, अङ्गवस्त्र एवं लघु पादप से सम्मानित कर स्वागत किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. रामसागर मिश्र ने अपने वक्तव्य में संस्कृत ग्रन्थों में निहित रसायन शास्त्र को उद्धरण सहित व्याख्यायित किया एवं रस-शाला, रस विधा, औषधि इत्यादि विषयों को विशिष्टता से प्रकाशित किया।

यह कार्यक्रम प्रो. जयप्रकाश नारायण, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सान्निध्य में एवं सह-आचार्य डॉ. धनञ्जय मणि त्रिपाठी, संस्कृत विभाग जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुशल सञ्चालन में आयोजित किया गया। अन्ततः कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ के अध्यक्षीय उद्बोधन एवं सहायक-आचार्या श्रीमती जहाँ आरा के धन्यवाद ज्ञापन करने के अनन्तर राष्ट्रगान के साथ इस कार्यक्रम की सम्पूर्ति हुई।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी











